पिता अब्राहम

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय
दो

अब्राहम का जीवन: मूल अर्थ

THIRD MILLENNIUM
MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट में जायें - थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ ऐट थर्ड मिलेनियम

विषय-वस्तु सूची

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें..... 3

तैयारी 4

नोट्स 5

I. **परिचय** (0:20) 5

II. **सम्पर्क** (5:25) 5
- क. परिभाषा (7:10) 5
- ख. प्रकार (9:23) 6
  1. पृष्ठभूमियाँ (10:37) 6
  2. नमूने (14:15) 6
  3. प्रतिछाया (18:19) 7
- ग. संकलन (24:59) 8

III. **निहितार्थ** (28:12) 10
- क. मूल प्रभाव (29:36) 10
- ख. मुख्य विषय (31:51) 10
  1. ईश्वरीय अनुग्रह (32:52) 10
  2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (34:37) 11
  3. अब्राहम को आशीषें (36:38) 11
  4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (38:41) 12
- ग. पाँच अवस्थाएँ (41:09) 12
  1. पृष्ठिभूमि और प्रारम्भिक अनुभव (42:38) 12
  2. दूसरों के साथ आरम्भिक सम्पर्क (45:41) 13
  3. परमेश्वर के साथ वाचा (49:25) 15
  4. दूसरों के साथ उत्तरोत्तर सम्पर्क (53:11) 17
  5. सन्तान और निधन (58:20) 19

IV. **सारांश** (1:04:34) 21

पुनर्विचार हेतु प्रश्न 22

लागू करने हेतु प्रश्न 26

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

तैयारी

- उत्पत्ति 11:10-25:18 को पढ़ें

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

नोट्स

I. परिचय (0:20)

अब्राहम के जीवन की कहानियों को उनके लिखे जाने के समय और जिन्हें वे लिखी गई थीं, के आलोक में पढ़ना कितना महत्वपूर्ण है।

हम इन कहानियों के इस्राएल जाति के ऊपर पड़ने वाले मूल प्रभाव के इरादे की पड़ताल करेंगे जो कि मूसा के प्रतिज्ञात् भूमि की ओर जाने के समय घटित हुई।

II. सम्पर्क (5:25)

मूल अर्थ - मूसा ने अब्राहम की इन कहानियों को इस्राएलियों के अनुभव के साथ सम्बन्धित किया।

क. परिभाषा (7:10)

"उस संसार": अब्राहम का संसार

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

"उनका संसार": मूसा और उसका अनुसरण करने वाले इस्राएलियों का संसार

मूसा ने अपनी कहानियों को अब्राहम के जीवन और उसके मूल पाठकों के संसारों के सम्पर्कों की ओर ध्यानाकर्षित किया है।

ख. प्रकार (9:23)

1. पृष्ठभूमियाँ (10:37)

इस्राएल के अनुभव अब्राहम के जीवन की घटनाओं के ऊपर ऐतिहासिक रूप से निहित थे।

2. नमूने (14:15)

अब्राहम के जीवन और स्वयं की परिस्थितियों के बीच की समानताओं ने इस्राएल के लिए यह सम्भव किया है कि वह इनके उदाहरणों का अनुसरण करे और या फिर इन्हें अस्वीकार कर दे।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

कहानियों को नमूने या उदाहरण प्रदान करते हुए सुनना श्रोताओं को कहानियों के साथ सम्बन्धित करने का एक सामान्य तरीका है।

मूसा ने इस्राएलियों को कनानियों के खतरे के विरूद्ध साहस का आह्वान किया जिनका कनान देश की भूमि पर कब्जा था।

मूसा ने उसके पाठकों को अब्राहम के साहस की नकल करते हुए भूमि में प्रवेश करने के लिए उत्साहित किया यद्यपि यह अभी भी कनानियों के कब्जे में थी।

3. प्रतिछाया (18:19)

मूसा ने दिखाया कि कैसे कुलपति के जीवन की घटनायें मूसा के दिनों की प्रतिछाया या पूर्वाभासित रूपरेखा को प्रस्तुत करती हैं।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

प्रतिछाया तब प्रगट होती है अब्राहम का अर्थात् "उसका संसार" इस्राएल के अर्थात् "उनके संसार" से आपस में अक्षरशः मिलता जुलता दिखाई देता है।

जब बाइबल के लेखकों ने अतीत की घटनाओं को अपने दर्शकों के जीवन में दुहराये जाते हुए देखा, तो उन्होंने अक्सर इस सम्पर्क को स्पष्ट कर दिया।

- उदाहरण : उत्पत्ति 15:1-21

- उदाहरण : उत्पत्ति 12:10-20

ग. संकलन (24:59)

प्रत्येक मुख्य खण्ड अब्राहम के जीवन को उसके मूल दर्शकों के जीवनों से सम्पर्क करके जुड़ा हुआ है।

- अब्राहम की पृष्ठभूमि और आरम्भिक अनुभवः – मूसा के दिनों के लोगों के इस्राएलियों की पृष्ठभूमि और आरम्भिक अनुभवों के जैसे ही हैं।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- अब्राहम के अन्य लोगों के साथ आरम्भिक सम्बन्ध – ने मूसा के मूल पाठकों को विदेशी जातियों और शासकों का सामना करने के लिये तैयार किया।

- परमेश्वर की अब्राहम के साथ बाँधी गई वाचा – इस्राएल ने भी परमेश्वर के साथ वाचा में प्रवेश किया।

- अब्राहम का अन्य लोगों के साथ उत्तरकालीन सम्बन्ध – इस्राएल अन्य लोगों के मध्य में वास करेगा।

- अब्राहम की सन्तान और उसका निधन – इस्राएलियों की मीरास और भूमि के दावे अब्राहम के जीवन के इन विवरणों के ऊपर आधारित थे।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

III. निहितार्थ (28:12)

क. मूल प्रभाव (29:36)

मूसा ने अब्राहम के बारे में उनके हृदयों को मिस्र को छोड़ने और प्रतिज्ञा की हुई भूमि पर विजय प्राप्त करने के लिए अग्रसर होने के लिये मोड़ने के लिए लिखा था।

ख. मुख्य विषय (31:51)

उत्पत्ति 12:1-2 में कम से कम चार विषय पाए जाते हैं।

1. ईश्वरीय अनुग्रह (32:52)

ईश्वरीय अनुग्रह के लक्ष्य की रूपरेखा यह स्मरण दिलाने के लिए की गई थी कि मूसा के दिनों में इस्राएलियों पर भी परमेश्वर ने बहुत ज्यादा कृपा को प्रगट किया।

मूसा ने इस लिए लिखा कि परमेश्वर की अब्राहम पर प्रगट की गई दया उसके मूल पाठकों को परमेश्वर ने उन पर की हुई दया का स्मरण दिलाना था।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (34:37)

परमेश्वर ने अब्राहम को उसके आदेशों को पालन किए जाने के लिए उत्तरदायी माना।

मूसा अब्राहम की विश्वासयोग्यता पर जोर देता है क्योंकि परमेश्वर इस्राएल से भी विश्वासयोग्यता की मांग करता है ।

प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिष्ठा प्रत्येक पीढ़ी में इस बात के ऊपर निर्भर करती थी कि वे कैसे परमेश्वर की आज्ञा के प्रति प्रतिउत्तर देते हैं।

3. अब्राहम को आशीषें (36:38)

मूसा ने अब्राहम की आशीषों के ऊपर ध्यान केन्द्रित किया क्योंकि ये प्रतिज्ञाएँ अब्राहम के वंशजों, इस्राएल के लोगों के लिए भी दी गई थीं जिन्हें मूसा नेतृत्व दे रहा था।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (38:41)

परमेश्वर की आशीषें कुलपति के माध्यम से पूरे संसार के ऊपर आएंगी।

अब्राहम की आशीषें - परमेश्वर अब्राहम को सफलता, अब्राहम के मित्रों पर आशीष और उसके शत्रुओं पर शाप देने की प्रक्रिया के द्वारा देगा।

याजकों के राज्य के रूप में जाति:

- राष्ट्र होते हुए परमेश्वर की सेवा करने वाले पवित्र लोग होने के विशेषाधिकार से आशीषित होंगे।

- इस्राएल की सन्तान परमेश्वर के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरे संसार में उसकी आशीष को लाएगी ।

ग. पाँच अवस्थाएँ (41:09)

1. पृष्ठभूमि और प्रारम्भिक अनुभव (42:38)

मूसा ने उसके मूल दर्शकों को उनके परिवार की पृष्ठभूमि और परमेश्वर की बुलाहट के बारे में शिक्षा दी ।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- **ईश्वरीय-कृपापात्र वंशज्, 11:10-26**

  अब्राहम शेम के परिवार में शिखर पर पहुँचा हुआ चरित्र था, परमेश्वर के विशेष चुने हुए लोग।

- अब्राहम की असफलता, 11:27-32

  अब्राहम को अपने पिता की विफलता को दुहराने से बचना था। इस्राएलियों को भी अपने माता और पिता की विफलताओं को दुहराने से बचना था:

  - निर्गमन की पहली पीढ़ी के मूर्तिपूजक
  - कनान में पहुँचने से विफल हो गए

- अब्राहम का प्रवास 12:1-9
  मूसा के दिनों में इस्राएलियों को अब्राहम के पदचिन्हों का अनुसरण करते हुए कनान की भूमि में प्रवास करना था।

2. दूसरों के साथ आरम्भिक सम्पर्क (45:41)

कुलपति ने अन्य समूहों के लोगों के साथ पारस्परिक सम्बन्ध कई तरीकों से बनाए। मूल इस्राएली पाठकों को भी ऐसा ही करना था ।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- **मिस्र से छुटकारा, उत्पत्ति 12:10-20**
  अब्राहम ने जान लिया था कि मिस्र उसका घर नहीं था।

  मूसा के मूल इस्राएलियों पाठकों का अनुभव भी अब्राहम की कहानी के जैसा ही था ।

  मिस्र इस्राएलियों का घर नहीं हो सकता था।

- **लूत के साथ संघर्ष, 13:1-18**

  अब्राहम का लूत के प्रति दयालुता से भरे हुए व्यवहार ने इस्राएलियों को यह दिखाया कि उनके दिनों में मोआबियों से कैसे व्यवहार करना है।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- **लूत का बचाव, 14:1-24**

  अब्राहम ने जो कि दूर स्थान से आया था शक्तिशाली, अत्याचारी राजाओं को पराजित किया, और उसने आगे भी लूत को इन अत्याचारी राजाओं से उसका बचाव करके उस पर दया दिखाई।

  मोआबियों और अम्मोनियों को बचाने के द्वारा, इस्राएलियों ने अब्राहम के द्वारा निर्धारित किए हुए नमूने का अनुसरण किया।

3. परमेश्वर के साथ वाचा (49:25)

परमेश्वर की कुलपति के साथ बाँधी गई वाचा ने इस्राएल की परमेश्वर के साथ बाँधी गई वाचा के चरित्र को प्रकट किया ।

- **वाचा की प्रतिज्ञाएँ, 15:1-2**

  परमेश्वर ने अब्राहम के साथ वाचा में प्रवेश किया।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

इस्राएली परमेश्वर की सन्तान थे। वे उसी भूमि पर लौट रहे थे जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने कुलपति से की थी।

- **हाजिरा के साथ असफलता, 16:1-16**

  मूसा के मूल दर्शक लगातार परमेश्वर की वाचा की प्रतिज्ञा से दूर हुए थे और मिस्र के आराम की चाहत रखते थे।

  जैसे अब्राहम की योजना को अस्वीकार कर दिया गया था, वैसा ही परमेश्वर उनकी वैकल्पिक योजना को अस्वीकार कर देगा।

- **वाचा की शर्तें, 17:1-27**
  परमेश्वर ने कुलपति को उसके द्वारा परमेश्वर की योजना का अनुसरण न करने से हुई असफलता के लिए सामना किया।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

केवल जब इस्राएली स्वयं परमेश्वर की वाचा के प्रति विश्वासयोग्य रहते हैं तब ही वे सही तौर पर उसकी महान् आशीषों की आशा कर सकते हैं।

4. दूसरों के साथ उत्तरोत्तर सम्पर्क (53:11)

- अब्राहम अन्य लोगों के साथ पारस्परिक सम्बन्ध ने इस्राएल को यह शिक्षा दी कि उन्हें कैसे निम्न के साथ अपने सम्बन्धों को बनाना है:

- कनानियों
- मोआबियों और अम्मोनियों
- पलिश्तियों और इश्माएलियों

- **सदोम और अमोरा, 18:1-19:39**

  ये घटनाएँ सीधे ही मूसा के मूल दर्शकों को परिस्थितियों का सामना करने लिए बोलती हैं।
  - परमेश्वर का कनानियों के विरुद्ध खतरा
  - कनानियों के मध्य रह रहे धर्मी लोगों के प्रति उनकी चिंता
  - बुरे कनानी शहरों का नाश
  - इस्राएलियों का लूत के वंशजों: मोआबी और अम्मोनी के साथ सम्बन्ध ।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- **अबीमेलेक के लिए मध्यस्थता, 20:1-18**

  अब्राहम ने उस भूमि पर रहने वाले एक वासी अर्थात् अबीमेलेक पलिश्ती के लिए मध्यस्थता की ।

  मूसा के दिनों के इस्राएलियों को भी पलिश्तियों के प्रति जो उन के दिनों मे रह रहे थे ऐसा ही व्यवहार दिखाना था।

- **इसहाक और इश्माएल, इसहाक और इश्माएल**

  मूसा ने इस्राएलियों को उनके दिनों में इश्माएलियों के साथ उनके साथ होने वाले स्वाभाविक सम्बन्ध को समझने में सहायता की ।

- **अबीमेलेक के साथ बाँधी गई संधि, 21:22-34**

  पलिश्ती अबीमेलेक ने परमेश्वर की कृपा का अब्राहम के ऊपर होना स्वीकार किया। अब्राहम अबीमेलेक और उसके वंशजों के साथ शान्ति के साथ रहने में सहमत हुआ।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

बेर्शेबा नाम का कुआँ अभी भी मूसा के दिनों का स्मरण दिलाता है, इस्राएलियों को स्मरण दिलाता है कि:

- वहाँ पर संधि की गई थी
- उन्हें पलिश्तियों के साथ शान्ति और आपसी सम्मान के साथ जीवन यापन करना था

5. सन्तान और निधन (58:20)

अब्राहम की विरासत ने परमेश्वर के साथ उसकी वाचा के सम्बन्ध को भविष्य की पीढ़ियों के लिए आगे बढ़ाया।

- **अब्राहम की जाँच, 22:1-24**

  परमेश्वर अब्राहम को उसका पुत्र बलिदान करने के लिए बुलाता है। अब्राहम ने इसका पालन किया। इसका परिणाम इसहाक के लिए एक बहुत ही उज्ज्वल भविष्य का होना था।

इस संदर्भ ने इस्राएलियों को यह स्मरण दिलाया कि परमेश्वर उनकी जाँच उसके प्रति उनकी विश्वासयोग्यता की गहराई को देखने के लिए कर रहा है।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- **अंत्येष्टि स्थल की खरीद, 23:1-20**

  अब्राहम ने हेब्रोन में उसके परिवार के लिए अंत्येष्टि स्थल को खरीदा जब उसकी पत्नी सारा की मृत्यु हुई।

  यह कहानी दर्शाती है कि उसके वंशज् के लिए सही स्थान कनान की भूमि थी।

- **इसहाक की पत्नी, 24:1-67**

  इसहाक कनानियों के भ्रष्टाचार से बचे जिसके लिए, अब्राहम ने यह जोर दिया कि वह किसी कनानी स्त्री से ब्याह न करे।

  अब्राहम ने इसहाक और उसके वंशजों के लिए परमेश्वर की ओर से एक उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित किया।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

इसहाक के उज्ज्वल भविष्य की आशीषें इस्राएलियों के भविष्य के लिए भी होंगी, यदि वे कनानियों के भ्रष्टाचार से स्वयं को बचाए रखते हैं।

- **मृत्यु और उत्तराधिकारी, 25:1-18**

  कई संक्षिप्त बातों से भरा यह संग्रह निम्न को सूचीबद्ध करता है:

  - अब्राहम के पुत्रों को जो कि सारा के अलावा अन्य पत्नियों से हुए
  - कुलपति की मृत्यु जब इसहाक कानूनी वारिस के रूप में अब्राहम से अन्तिम आशीर्वाद को प्राप्त करता है।
  - एक विरोधाभासी खण्ड जो संक्षिप्त में इश्माएल के वंशजों को सूचीबद्ध करता है।

IV. सारांश (1:04:34)

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. उन दो "संसारों" का वर्णन करें जिन्हें मूसा ने तब ध्यान में रखा जब वह इस्राएलियों के लिए लिख रहा था।

2. तीन प्रकार के सम्पर्कों के बारे में वर्णन दें जिनके द्वारा मूसा ने अपने साहित्य को इस्राएलियों के अनुभव के साथ सम्बन्धित किया?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

3. अब्राहम के जीवन की प्रत्येक मुख्य अवस्था का सार लिखें और यह दिखाएं कि यह कैसे मूसा के मूल पाठकों के साथ सम्बन्धित होता है।

4. उत्पत्ति के ग्रन्थकार मूसा के होने की पहचान कैसे हमें अब्राहम के जीवन के ऊपर लिखे हुए इस साहित्य के अर्थ के प्रति आत्मबोध प्रदान करती है?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

5. कैसे यह अध्याय अब्राहम के जीवन की कहानी के प्रभाव को इसके मूल पाठकों के लिए सारांशित करता है?

6. अब्राहम के बारे में लिखते समय मूसा ने कौन से चार मुख्य विषयों को व्यक्त किया है? यह कैसे उसके मूल पाठकों के साथ सम्बन्धित होते हैं?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

7. अब्राहम के जीवन की पाँच मुख्य अवस्थाओं और मूल पाठकों के लिए उनमें से उनके कुछ मुख्य उपयोगों को संक्षेप में लिखें।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

लागू करने हेतु प्रश्न

1. अनुग्रह के लक्ष्य ने इस्राएलियों को स्मरण दिलाया कि वे परमेश्वर की दया के प्राप्तकर्ता थे। आप कैसे ईश्वरीय अनुग्रह से लाभान्वित हुए हैं?

2. यद्यपि परमेश्वर ने इस्राएलियों को अपनी दया दिखाई थी, तौभी प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिष्ठा प्रत्येक पीढ़ी में इस बात के ऊपर निर्भर करती थी कि वह कैसे परमेश्वर की आज्ञा के प्रति प्रतिउत्तर देता है। आज मसीह के अनुयायियों के लिए इस शिक्षा की क्या विशेषता या अर्थ है?

3. अब्राहम के जीवन की घटनाएँ पूरे संसार में परमेश्वर के राज्य के विस्तार की उसकी योजना को इस्राएल में दर्शन प्रदान करने के रूप में बताए गए हैं। हमारे दिनों में राज्य के विस्तार को पूरे संसार में विस्तार करना कैसा दिखाई देगा? कैसे हमारी योजनाएँ अब्राहम और बाइबल में विश्वास के योद्धाओं के अनुभवों के अनुरूप ढलने चाहिए?

4. अन्य लोगों के साथ अब्राहम के परस्पर सम्बन्ध की कहानियाँ कैसे आधुनिक संसार में मसीह के अनुयायियों के लिए नमूने को प्रदान करती हैं?

5. अब्राहम की हाज़िरा के साथ असफलता के जैसे ही, हम हमारे स्वयं की योजनाओं को परमेश्वर की योजना का अनुसरण करने की अपेक्षा न्यायसंगत ठहराते हैं। कौन सी परस्थितियों में आप ऐसा करने की परीक्षा में पड़ जाते हैं?

6. अब्राहम की विरासत आज कैसे मसीहियों की विरासत है?

7. इस अध्ययन से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा